कार्यालय : मुख्य निर्वाचन अधिकारी , उत्तराखण्ड
Office: Chief Electoral Officer, Uttarakhand
विश्वकर्मा भवन, प्रथम तल 4-सुभाष रोड़, सचिवालय परिसर देहरादून-248001

प्रेस नोट–2026/38 दिनांक 22 जुलाई 2026

प्रेस विज्ञप्ति

चुनाव प्रेक्षकों की भूमिका पर होगा महामंथन, देश दुनियां से जुटेंगे विशेषज्ञ

– कई देशों के प्रतिनिधियों सहित 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद एवं विशेषज्ञ करेंगे प्रतिभाग

–शिक्षाविद,नीति–निर्माता, मीडिया क्षेत्र के विशेषज्ञ एक मंच पर करेंगे विचारों का आदान–प्रदान

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय उत्तराखण्ड द्वारा आगामी 24 जुलाई को देहरादून में एक दिवसीय इंरटनेशनल कॉफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस कॉफ्रेंस का विषय "मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर" है जिसमें भारत सहित विभिन्न देशों के प्रतिनिधि,शिक्षाविद,रिसर्च स्कॉलर्स एवं छात्र–छात्राएं प्रतिभाग करेंगे। इंरटनेशनल कॉफ्रेंस में मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ वीबीआरसी पुरुषोत्तम बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। इसके साथ ही भारत निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ उप चुनाव आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार भारती, स्टेट पुलिस ट्रेनिंग नोडल आईजी अनंत शंकर ताकवले,अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ विजय कुमार जोगदंडे,जिलाधिकारी देहरादून, हरिद्वार, भारतीय प्रबंधन संस्थान काशीपुर,ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी, उत्तरांचल यूनिवर्सिटी, दून यूनिवर्सिटी के शिक्षाविद विभिन्न सत्रों में अपना प्रस्तुतीकरण देंगे।

अपर मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के क्रम में आगामी 24 जुलाई को "मॉडल स्टेंडर्स फॉर इलेक्टोरल ऑब्जर्वर" विषय पर ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में एक दिवसीय इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इस इंटरनेशनल कॉफ्रेंस का उद्देश्य अकादमिक एवं नीतिगत मंच स्थापित करना है, जहाँ निर्वाचन प्रेक्षक (Electoral Observers) से संबंधित कार्यप्रणाली की समीक्षा कर उसे और अधिक प्रभावी एवं व्यावहारिक बनाया जा सके। इसके साथ ही चुनाव प्रेक्षक प्रणाली के मॉडल मानकों (Model Standards) को समझना, शिक्षाविदों, नीति–निर्माताओं, विधि विशेषज्ञों, मीडिया एवं आईटी क्षेत्र के विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर उनके अनुभव व विचारों का आदान–प्रदान करना।

इस कांफ्रेंस में अब तक संयुक्त राज्य अमेरिका, रोमानियां, आयरलैंड, इंडोनेशिया, उजवेगिस्तान, हंगरी, नेपाल के चुनाव प्रबंधन इकाईयों प्रतिनिधियों द्वारा पंजीकरण कराया गया है। इसके साथ ही 20 से अधिक विश्वविद्यालयों के शिक्षाविद सहित विभिन्न संकायों के 400 से अधिक प्रतिभागी हाईब्रिड मोड में हिस्सा लेंगे।